

15.06.2022

वादीगण व उनके अभिभाषकगण के द्वारा प्रार्थना पत्र वास्ते वाद पत्र विद्धो प्रस्तुत किया जिस पर पत्रावली हमारे समक्ष पस्तुत हुई। वादी व उनके अभिभाषक के द्वारा प्रार्थना पत्र मे अंकित तथ्यो को दोहराते हुए निवेदन किया कि वादी उक्त वाद को अब आगे नही चलाना चाहता है विचाराधीन उक्त वाद को विद्धो करना चाहता है। अतः प्रार्थना पत्र स्वीकार फरमाया जाकर उक्त वाद को विद्धो किये जाने के आदेश प्रदान करावे। वादी द्वारा अपने कथनो के समर्थन मे वाद आदेशिका पर अपने हस्ताक्षर अंकित किये जिन्हे उनके अभिभाषक द्वारा वादी को पहचान कर अपने हस्ताक्षर अंकित किये। चूंकि वादी स्वयं इस वाद को इसी स्तर पर विद्धो करना चाहता है। अतः प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाकर वाद को इसी स्तर पर विद्धो किये जाने के आदेश दिये जाते है। पत्रावली फ़ैसल शुमार होकर नम्बर से कम हो।

सहायक कलक्टर (मु0)
अजमेर

मुक्ति
मा. 29/1/2022

30521/07

by
shakoude
An



35 R. J. J.
रज्जा

by
shakoude
An